भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1943
दिनांक 11 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

किसानों को सहायता

1943. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पशुपालन और डेयरी कृषि में नवीनतम पद्धतियों और तकनीकों की बेहतर समझ प्राप्त करने में किसानों की सहायता के लिए कोई कार्यक्रम तैयार किया है, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देश में टिकाऊ ढंग से डेयरी कृषि का विकास करने के लिए गांवों को गोद लेने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में उक्त प्रयोजनार्थ चिह्नित किए गए गांवों का राज्यवार ब्यौरा और संख्या क्या है और इस कार्य के कब तक पूरा होने की उम्मीद है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी.सिंह बघेल)

(क) पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) निम्नलिखित योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसके अंतर्गत पशुपालन और डेयरी कार्यकलापों के लिए उन्मुखीकरण/प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु सहायता प्रदान की जाती है:

i. **राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम):** सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों(यूटी) को कौशल विकास के लिए निधियां जारी की जाती हैं, जैसे ग्रामीण भारत के लिए बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (एमएआईटीआरआई) का बुनियादी प्रशिक्षण, मौजूदा एआई कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और पेशेवरों का प्रशिक्षण आदि।

ii. **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी):** किसानों को अच्छी स्वच्छतापूर्ण पद्धतियों और अच्छी विनिर्माण पद्धतियों दूध परीक्षकों, डीसीएस कर्मचारियों, परिचालन और गुणवत्ता प्रबंधन संबंधी डेयरी कार्मिकों को प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम के लिए अनुदान सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) और (ग) जी नहीं, डीएएचडी राज्य सरकार द्वारा दूध उत्पादन और दूध प्रसंस्करण अवसरंचना के लिए किए गए प्रयासों को पूरित और संपूरित करने के लिए देश भर में निम्नलिखित डेयरी विकास योजनाओं को लागू कर रहा है।

i. राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी)

ii. डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (एसडीसीएफपीओ)

iii. पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ)

iv. राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम)

v. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम)

vi. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी)

ये योजनाएं बोवाइन पशुओं की दूध उत्पादकता में सुधार करने, डेयरी अवसरंचना को सुदृढ़ करने, आहार और चारे की उपलब्धता बढ़ाने और पशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में मदद कर रही हैं। ये पहलें दूध उत्पादन की लागत को कम करने और डेयरी फार्मिंग से आय बढ़ाने में भी मदद करती हैं।

******